जल्दी ही हम भारत की अगली सरकार और अपने भविष्य का चुनाव करेंगे।

जहां राजनीतिक पार्टियां चुनाव जीतने के लिए हजारो करोड़ रुपए खर्च कर रही हैं वही हमारी यानी भारत के 140 करोड़ लोगों की, इन चुनावों के लिए क्या तैयारी है?

क्या हमने सोचा है कि हमें इन चुनावों से क्या चाहिए?
इन चुनावों में हम क्यू भाग लें?
और क्या देख कर अपना फैसला करें?

पिछले 70 सालों में, हमने या तो राजनीतिक पार्टियों की पैरवी की है या फिर राजनीतिक व्यवस्था में विश्वास न होने से चुनावों में भाग ही नहीं लिया। आजतक हमारा एजेंडा या तो राजनीतिक पार्टियों ने बनाया है या फिर मीडिया ने, लेकिन हमने कभी इन्हें अपनी आवाज़ में नहीं रखा।

आइये इस बार एक आम नागरिक के विचारो को अपनी आवाज़ में सामने रखते हैं। जैसे राजनीतिक दल अपनी जीत के लिए अभियान चलाते हैं, राजनीतिक उम्मीदवार अपनी जीत के लिए अभियान करते हैं तो क्यों ना भारत के नागरिक भी इस बार अपनी जीत के लिए अभियान करें?

ये घोषणापत्र और इससे जुड़ी वीडियो श्रृंखला इसी दिशा में भारत के नागरिकों की पहल है जिसमे 2024 लोकसभा चुनाव में भाग ले रह सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के सामने हम देश की 24 उम्मीदों को सामने रखेंगे।

आइए एक बेहतर भारत के लिए, देश के चुनावों में देश की आवाज़ उठाएं।

(For English Version) ➡ **https://naptymeindia.com**

नागरिकों के भारत के लिए लक्ष्य

हमारा लक्ष्य एक ऐसा देश बनना है जो विकसित हो, जिसके लोग समृद्ध हों, जो हर परिस्थिति में अपनी रक्षा कर सके, वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाता हो और दुनिया को बेहतर बनाने में अहम भूमिका अदा कर सकता हो।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें इन नौ क्षेत्रों में बेहतर काम करना होगा। अगर हम इन नौ पहलुओं पर कामयाब हो सके तो भारत आंतरिक स्तर पर खुशहाल और विकसित देश बनने के साथ-साथ एक विश्वसनीय वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनकर उभरेगा।

1. नागरिको के लिए बेहतर जीवन

आज हम एक लोकतंत्र हैं जिनमें लोगो को केंद्र में रख कर नीतियां बनाई जाती हैं। हम विकसित तभी होंगे जब एक आम आदमी का जीवन समृद्ध होगा। इसके लिए हमें शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा जैसे बहुत से क्षेत्रों में सुधार करना होगा

2. ताकतवर और आत्मनिर्भर रक्षा बल

हमें अपनी सुरक्षा में और भी सशक्त, स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनना होगा। ऐसी काबिलियत हासिल करनी होगी, जिससे ना सिर्फ हम अपने लोगों और क्षेत्र को सुरक्षित रख सकें, बल्कि जरूरत पड़ने पर उसके बहार भी अपने हितो की रक्षा कर सकें।

3. आर्थिक विकास

इतिहास में एक लंबे समय तक भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी और हमारा लक्ष्य उसी स्थान को दोबारा हासिल करना होना चाहिए। लेकिन इस बार सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ-साथ आय असमानता को घटाकर प्रति व्यक्ति आय को बेहतर बनाना होगा।

4. भारत की अखंडता और समान विकास

हमें चाहिए कि हम अपने पड़ोसी देशो के साथ क्षेत्रीय विवादों को हल करके अपनी क्षेत्रीय अखंडता को मजबूत करें। और दूसरा, हमारे राज्यों के बीच अंतर को कम करके सभी राज्यों में समान रूप से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले।

5. पर्यावरण का संरक्षण

आज मानवीय गतिविधियाँ पर्यावरण को तेजी से बदल रही है। प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण हर साल देश में लाखो लोग अपनी जान गवा देते हैं और करोड़ों लोगो की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। हमारी संस्कृति में प्रकृति की बेहद खास जगह है, इसलिए हमें पर्यावरण का खास ख्याल रखना होगा।

6. अंतरिक्ष महाशक्ति

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आज एक अनोखा लाभ प्रदान करती है। और भविष्य में जिस देश के पास उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी होगी वही दुनिया का नेतृत्व करेगा। इसलिए हमारा भविष्य में एक अंतरिक्ष शक्ति बनना जरूरी है ताकि हम भविष्य में एक जिम्मेदार अंतरिक्ष सुरक्षा नीति लागू करने की ताकत हासिल कर सकें।

7. नवाचार (इनोवेशन)

आज के दौर की बहुत सारी छोटी बड़ी टेक्नोलॉजी को हम भारत में इम्पोर्ट करते हैं। हमें इनोवेशन का ये ट्रेंड रिवर्स करना होगा और लक्ष्य बनाना होगा भविष्य की तकनीकों का आविष्कार भारत में हो और उन्हें हम दूसरे देशो में एक्सपोर्ट करें

8. वैश्विक संबंध

हम एक इंटरकनेक्टेड दुनिया में रहते हैं जहां दुनिया के किसी भी कोने में हो रही हलचल सभी देशो पर असर डालती है। हमें दुनिया भर में विश्वसनीय और भरोसेमंद रिश्ते बनाने होंगे ताकि हम नेतृत्व की भूमिका निभा सकें।

9. विविधता और बहुसंस्कृतिवाद

भारत एक अत्यंत विविधतापूर्ण देश है और बहुत सारी संस्कृतियों से जुड़ा हुआ है जो बताता है कि हमारे यहां संस्कृतियों को खत्म नहीं किया जाता, बल्कि उन्हें आपस में जोड़ा जाता है। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता हमारे लिए किसी विशेष शक्ति से कम नहीं जो रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ाने में मदद करेगी।

(For English Version) **https://naptymeindia.com**

नागरिको की चुनौतियाँ

हर 3 में से 1
व्यक्ति अल्पपोषित हैं

57%
महिलाओ को एनीमिया है

हर साल 303,000 माताएँ और 2.7 लाख नवजात शिशुओं की जन्म के समय मृत्यु हो जाती है (WHO)

77%
साक्षरता दर

शैक्षणिक चुनौतियाँ
उपलब्धता | गुणवत्ता

केवल 50% पुरुष और 41% महिलाओं ने 10 या अधिक वर्षों की स्कूली शिक्षा पूरी की है (NFHS 2019-21)

एक ही साल में(2021)

60लाख
अपराध दर्ज

4लाख +
महिलाओं के विरुद्ध अपराध

39K+
हत्या के मामले

4.5करोड़ +
भारतीय न्यायालयों में लंबित मामले

3लाख +
विचाराधीन जेल में बंद लोग

52%
श्रम शक्ति भागीदारी दर

150,000+
हर साल सड़क दुर्घटनाओं में मौतें

बेरोजगारी | आय असमानता | आवास | शिक्षा | सार्वजनिक परिवहन

कानूनी प्रभावशीलता | पुलिस की प्रभावशीलता | गरिमा और सुरक्षा | स्वास्थ्य सुविधाएं

नागरिको को क्या चाहिए?

भारत के 140 करोड़ लोग सरकार के साथ मिल कर भारत के विकास में भागीदार बनना चाहते हैं। जो तभी मुमकिन है जब हम ऐसी परिस्थितियाँ बनायें जिसमें सभी नागरिकों के पास समान अवसर हो, जिसमें कोई भी व्यक्ति किसी से छोटा या बड़ा ना हो और हर व्यक्ति अपनी मेहनत और काबिलियत के दम पर कामयाब हो सके। समान अवसर प्रदान करने के लिए भ्रष्टाचार, भेदभाव, अपराध, बेरोजगारी, अशिक्षा जैसी समस्याओ को ख़त्म कर वो सुविधाये उत्पन करनी होगी जिससे आम नागरिक प्रगति कर सके।

2024 के चुनावो लिए ये 24 उम्मीदें देश के नागरिकों की अपनी जरुरतों को देश की राजनीतिक व्यवस्था के सामने रखने की एक पहल है जो हम सभी के विकास में मददगार होगी।

(For English Version) ➡ https://naptymeindia.com

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

1 “एक भारत” - कोई विभाजन या तुष्टिकरण नहीं

आज हर एक तर्कसंगत भारतीय की पहली अपेक्षा ऐसे भारत की है जिसमें धर्म, जाति, रंग, भाषा और किसी भी आधार पे न तो तुष्टीकरण या खुश करने की कोशिश हो और न ही किसी तरह का विभाजन हो। ऐसा करके ही हम देश की एकता और अपने विकास की राह की रक्षा कर सकेंगे। हम चाहते हैं कि भारत का हर नागरिक घर से निकलते हुए सुरक्षित महसुस करें और हर नागरिक के पास कामयाब होने के बराबर अवसर हों।

इसलिए सभी उम्मीदवार और पार्टियों से मांग है कि किसी भी स्तर पर समाज में किसी भी तरह का विभाजन और तुष्टिकरण को बढ़ावा न दिया जाए।

2 प्रत्येक उम्मीदवार अपनी योग्यता साबित करें

हमने अक्सर राजनीतिक उम्मीदों को अपने प्रतिद्वंदियों की खामियां गिनाते हुए देखा है, लेकिन सिर्फ इसके आधार पर हम आपका चुनाव करें? हमारे लिए ये मुमकिन नहीं हैइसलिए, सभी पार्टियों और उम्मीदवारों से भारत की मांग ये है कि वो खुद बताए कि इस पोजीशन के लिए उनकी योग्यता क्या है और उन्हें क्यों चुना जाए? वो अपनी शिक्षा, अनुभव, आपराधिक पृष्ठभूमि जैसे चीजे चुनावो से पहले शेयर करें ताकि लोग सूचित निर्णय ले सकें। एक नागरिक के नजरिए से हर उम्मीदवार एक निर्वाचन क्षेत्र के लिए वही मायने रखता है जैसे पूरे देश के लिए प्रधान मंत्री, इसलिए हर एक उम्मीदवार को अपनी योग्यता साबित करनी होगी और हर बार चुनाव लड़े वक्त साबित करना होगा।

3 मुफ्त की चीजों से हम पर दया न करें - अपना काम बेहतर ढंग से करें

अक्सर चुनावो में समाज के लग अलग वर्ग पर चुनाव जीतने के लिए दया भाव का प्रदर्शन किया जाता है, मुफ्त योजनाएं और "गारंटी" बांटी जाती है। लेकिन सरकार को हम सभी अपना विश्वास देते हैं, टैक्स के रूप में पैसे देते हैं उसके लिए काम करके मानव संसाधन देते हैं तो फिर दया भाव क्यों? ये हमारे जन प्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि समाज को अलग-अलग वर्ग में ना बाटें और सभी की समस्याओं का समाधान निकालें।
हमें इस तराह के निम्न स्तर के अल्पकालिक लाभ नहीं चाहिए, बल्की हमारी मांग समस्याओं के दीर्घकालिक और स्थायी समाधान की है।

4 राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन

पॉलिटिकल फंडिंग और भ्रष्टाचार का पुराना रिश्ता है। अगर राजनीतिक फंडिंग के लिए राजनीतिक दल पारदर्शी नहीं होंगे तो फिर आम नागरिक कैसे विश्वास करेगा कि आप उनके हित के लिए ही काम करेंगे और ना की आपके चुनाव फंड करने वालों के लिए। हमारी उम्मीद राजनीतिक फंडिंग को पारदर्शी और राजनीतिक भ्रष्टाचार को पूरी तरह खत्म करने की है।

इसी के साथ राजनीति और अपराध को भी अलग किया जाए चुनाव प्रचार से लेकर सरकार का हिसा बनने तक कहीं भी आपराधिक तत्व की राजनीति से जुड़े हैं तो वह आम नागरिकों के विश्वास का अपमान है। एक बेहतर शासन के लिए राजनीति का भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त होना बेहद ज़रूरी है।

5 राजनीतिक आचरण को बेहतर किया जाए

हमने अक्सर चुनाव प्रचार में देखा है कि सड़कें जाम कर दी जाती है, ट्रैफिक नियम जैसे मौजूद ही ना हो और आम नागरिकों को परेशान किया जाता है। ऐसा लगता है कि सारे नियम कानून सिर्फ आम नागरिक पे लागू होते हैं और राजनेताओ पे एक भी नहीं।

यदि हमारे राजनेता देश के नियम कानून की खुद ही परवा नहीं करते तो वो हमारे लिए बेहतर कानून कैसे बनाएंगे? हमारी उम्मीद है पार्टीयां अब लोगों की संवेदनाओं का ख्याल रखकर और देश के कानून के साथ चलकर प्रचार का तारिका अपनाएं।

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

6 सभी की गरिमा की रक्षा और नागरिको की सुरक्षा

ये सच है कि भारत में एक साधारण से दिखने वाले नागरिक को कहीं भी अपमानित कर दिया जाता है। हमें दूसरो का अपमान करने वाले इस रोग को अपने आप से अलग करना होगा और फिर से समाज के लोगो की गरिमा को स्थापित करना होगा जिसमें हर इंसान के साथ इंसानो जैसा व्यवहार हो जिसमें जाति, धर्म, शकल सूरत, काम या औधा देख कर किसी की गरिमा को चोट न पहुचायी जाये।

इसके अलावा, हमें हर साल लाखो की संख्या में हो रही आपराधिक वारदातों को कम करने के लिए समाज और सरकार के स्तर पर उपाय ढूंढ़ने होंगे। हमें चाहिए कि भारत के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं अपने घर में और जब भी जिस वक्त भी घर से बाहर निकलें तब सुरक्षित महसूस करें। भारत के नागरिकों की मांग पुलिस और न्याय प्रणाली से जुड़ी खामियों को तेजी से दूर करने और एक आम नागरिक को सुरक्षित महसूस कराने की है।

7 भारत की कुपोषण की चुनौती का समाधान

आज भारत कुपोषण की दो तरफा मार झेल रहा है, एक तरफ एक बड़ी संख्या में लोगो को पूरा पोषण नहीं मिलता वही दूसरी तरफ मोटापा तेजी से देश भर में फैल रहा है। कामज़ोर पोषण की वजह से एक बड़ी आबादी गरीबी में फ़सी हुई है जिससे देश की स्वास्थ्य सुविधाएं, कार्यबल और अर्थव्यवस्था तीनो पे नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

हम जानते हैं कि पोषण को लेकर सरकारी योजनाएं और कार्यक्रम हैं, लेकिन हमारी मांग नीतियों को और कारगर बनाने और बेहतर तरीके से लागू करने की है ताकि देश के पोषण से जुड़ी चुनौतियों को तेजी से हल किया जा सके।

8 सस्ती और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली

एक तरफ भारत में आज दुर्घटनाएं, कुपोषण संबंधी और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, वही दूसरी तरफ पूरे देश में स्वास्थ्य प्रणाली और उनमें चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी है। ऐसे में समय पर सही इलाज ना मिलना लाखो लोगो की मौत का कारण बन रहा है।

एक आम नागरिक उम्मीद करता है कि देश भर में एक विश्वसनीय और किफायती स्वास्थ्य प्रणाली हो जो उपचारात्मक और निवारक दोनो ही तरह की सेवाएं दे सके।

9 हमारी सड़कों को सुरक्षित बनाएं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार हर साल सड़क हादसे में 150,000 (डेढ़ लाख) से ज्यादा लोगों की जान चली जाती है, जिसका सबसे बड़ा हिस्सा 15 से 29 साल के युवा हैं। सड़क हादसों के ज्यादातर मामलों में ना तो समय से एम्बुलेंस पहुंचती है, ना समय से इलाज मिलता है और ना ही हादसों के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होती है।

हर साल देश के लाखो लोगो की जान बचाने और करोडो लोगो को सड़क पर सुरक्षित महसूस करने के लिए सड़क सुरक्षा से जुड़े नियम, लोगो में उनकी जागरुकता, अच्छी सड़कें, विश्वसनीय एम्बुलेंस सेवा, और बेहतर अस्पतालों की उम्मीद आम नागरिक सरकार से करते हैं।

10 पर्यावरण की रक्षा

आज वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या में भारत दुनिया में सबसे आगे है, वही दूसरी तरफ पूरे देश में गंदगी भी एक बड़ी चुनौती है। प्रदूषण और गंदगी लाखो करोड़ों जिंदगियों पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ रही है जो धीरे-धीरे आने वाले समय में एक बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है

भारत को पर्यावरण बचाने के लिए सक्रिय कदम, सख्त नियम और बड़े पैमाने पर शिक्षा की जरूरत है।

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

11 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार (इनोवेशन) के लिए बुनियादी ढांचा

हमारे देश में शिक्षा की पहुंच, गुणवत्ता और सामर्थ्य तीनो ही क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियाँ हैं। हमारी मांग देश के नागरिको और बेहतर शिक्षा के बीच के अवरोध को कम करने की है और देश भर में शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने की है, जिसका फ़ायदा समाज का हर वर्ग समान रूप से उठा सके।

12 रोज़गार

रोज़गार से ही भारत के लोगो को बेहतर जीवन और देश को तरक्की मिलती है। लेकिन सभी को रोजगार मिल पाना देश के युवाओं के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है।

देश को नई नौकरियाँ उत्पन्न करने से लेकर, उसकी जानकारी उपलब्ध कराना और नियुक्ति समन्वय जैसे क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। देश के नागरिक उम्मीद करते हैं कि देश की रोज़गार से जुड़ी चुनौतियों को गंभीरता से समझा जाए और उन्हें हल किया जाए।

13 उत्पीड़न मुक्त, सुरक्षित कार्यस्थल

पुरुष हो या महिलाएं, लंबे काम के घंटे, कार्य जीवन में संतुलन का न होगा, कम वेतन, उत्पीड़न जैसी चुनौतियां भारतीय कार्यस्थलों पर आम बात है जिसकी वजह से मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे के मामले देश में तेजी से बढ़ रहे हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार 47% प्रोफेशनल ने कार्यस्थल पर तनाव को लेकर मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का सबसे बड़ा कारण बताया है।

आज भारत का श्रम बल भागीदारी दर केवल 52% है, लेकिन महिलाओ का श्रम बल भागीदारी दर केवल 32% है। यदि हम अपने कार्यबल को बढ़ाना चाहते हैं तो पुरुष और महिलाएँ दोनों के लिए एक सुरक्षित कार्यस्थल बनने पर ज़ोर देना होगा। संगठित और असंगठित दोनों ही सेक्टरों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए बेहतर कार्य वातावरण बनाना एक आम नागरिक का फर्ज भी है और मांग भी।

14 योजनाबद्ध बुनियादी ढांचे का विकास

हमें विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना होगा। हमें देश के हर राज्य, हर जिले में तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण करना होगा, तेजी से सड़क, सार्वजनिक परिवहन, स्कूल, अस्पताल, वाणिज्यिक क्षेत्रों का निर्माण करना होगा ताकि भारत के सभी नागरिकों के पास बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और कामयाब होने के साधन हों और सभी लोग आर्थिक विकास में हिस्सेदार बन सकें।

हमारी उम्मीद बेहतर ग्रामीण और शहरी नियोजन के साथ विकास की है जिससे इनका फ़ायदा सभी के पास संगठित और समान तरीके से पहुंच सके।

15 ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण

भारत की आर्थिक वृद्धि में ग्रामीण क्षेत्रों को नजर अंदाज किया गया, जिससे लगातार एक बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार की तलाश में अपना घर, अपना गांव छोड़ कर शहर की और जाना पड़ता है जहां पाहुच हर उन्हें बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आज हमें ऐसी नीति चाहिए जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने का काम करे ताकि लोगों को प्रवासन की चुनौतियों से बचाया जा सके और उनके मूल निवास पर ही रोजगार के अवसर मिल सकें। इससे ना सिर्फ रोजगार,बल्की देश के पोषण और गरीबी से जुड़ी चुनौती भी हल होंगी।

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

16 आय असमानता को कम किया जाये

भारत के टॉप के 1% लोग देश की 33% संपत्ति के मालिक हैं, टॉप के 10% लोग देश की 65% संपत्ति के मालिक हैं लेकिन दूसरी तरफ देश के 50% लोग (जो 70 करोड़ से भी ज्यादा हैं) देश की सिर्फ 6% संपत्ति के मालिक हैं। इससे आप समझ सकते हैं कि हमारे यहां आय असमानता कितनी ज्यादा है।

हमारे किसान, कम वेतन पाने वाले मजदूर और उन सभी लोगों को जो कार्यबल में शामिल होना चाहते हैं, वे सभी सुविधाएं उपलबध करानी होंगी जिससे उनकी आय बढ़ कर आय असमानता को कम किया जा सके।

17 ग़लत सूचना (मिसिन्फर्मेशन) मिटाएँ

अगली उम्मीद मिसिन्फर्मेशन से जुड़ी है, मिसिन्फर्मेशन यानी विचारपूर्वक किसी को झूठी या गलत जानकारी देना ताकि उनसे किसी तरह का फायदा उठाया जा सके। इस तरह की कोशिशें अक्सर समाज में बंटवारा करने, लोगों की भावनाएं भड़काने या उन्हें गुमराह करने के लिए जाती हैं। ना जाने कितनी घटनाएं ऐसी भी हैं जिनमें मिसिन्फर्मेशन की वजह से बेकसूर लोगों को जान तक गवानी पड़ी है।

इस्से पहले की मिसिन्फर्मेशन समाज को तोड़ना शुरू कर दे, इसके खिलाफ मज़बूत कदम उठाने की देश के नागरिकों की मांग है।

18 धोखाधड़ी की रोकथाम और उपभोक्ता संरक्षण

आज भारत में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसके पास मोबाइल फोन हो और उससे धोखाधड़ी की कोशिश ना की गई हो। इससे भी तकलीफ की बात ये है कि धोखाधड़ी होने पर आप कुछ भी नहीं कर सकते। कुछ ऐसी ही स्थिति उपभोक्ता धोखाधड़ी से जुड़े मामलो में भी है। इसलीये धोखाधड़ी को रोकना और उपभोक्ता संरक्षण भी आम नागरिकों की उम्मीदों में से एक है।

19 पार्टी और सरकार के बीच सीमा तय करें

एक सरकार और एक राजनीतिक पार्टी में फर्क है।

एक राजनीतिक पार्टी की अपनी विचारधारा हो सकती है उसके अपने कारण हो सकते हैं लेकिन उसका लक्ष्य चुनाव जीतकर सरकार बनाना है और दूसरी तरफ सरकार का लक्ष्य देश को चलाना है।

समस्या तब खड़ी होती है जब राजनीतिक पार्टी सरकारी व्यवस्था को देश हित से ज्यादा पार्टी हित में इस्तमाल करने लगती है, राष्ट्रीय नीति पार्टी हित को देख कर बनाई जाने लगती है, केंद्र-राज्य और राज्यो के बीच अपने रिश्तों और विकास कार्यों में पार्टी का हित बाधा बनने लगता है। देखते ही देखते पार्टी सरकार पर पूरी तरह हावी हो जाती है और सरकारी व्यवस्था को पार्टी की रक्षा करने के लिए इस्तमाल करने लगती है, जिससे सरकारी संस्थान अपनी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता खो देते हैं।

पार्टी और सरकार के बीच एक मर्यादा तय की जाये जिस्से सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग ना हो सके और देश की शासन व्यवस्था मजबूत हो।

20 परिणाम आधारित राजनीति

भारत आज एक युवा देश है लेकिन हमेशा नहीं रहेगा इसलिए अगले 20 साल भारत के लिए बेहद जरूरी होने वाले हैं। आज विकास, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दो पर सिर्फ उच्च स्तर पर बात करके काम नहीं चलेगा।

आज हममें केपीआई आधारित (परिणाम आधारित) राजनीति की जरूरत है। जिसमें सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार खुद बताएं कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं, कितना हासिल करना चाहते हैं, कैसे हासिल करेंगे और आपके काम का सही मूल्यांकन क्या हो।

देश की राजनीति का विकास हो कर परिणाम आधारित बनने कि हम सब उम्मीद करते हैं।

(For English Version) ➡ https://naptymeindia.com

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

21 प्रभावी नीति निर्माण एवं कार्यान्वयन

सरकार का काम लोगों की सुरक्षा और विकास के लिए सही पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) बनाना है। और सरकारी नीतियां वो माध्यम हैं जो इकोसिस्टम को बना कर करोड़ों लोगो की जिंदगी बदल सकती हैं। लेकिन आम तौर पर देखा गया है कि हमारे पास नीति और योजनाएं तो हैं, फिर भी अंतिम उपयोगकर्ता, यानी वो व्यक्ति जिसके लिए नीति बनाई गई है, पर योजनाओं का वादे के मुताबिक असर नहीं पहुचता।

हमारे नीति निर्माताओं से यही उम्मीद है कि वे अपने और नीति उपयोगकर्ताओं के बीच की दूरी को कम करें, और नीति उपयोगकर्ताओं को केंद्र में रख कर उन्हें लागू करने की नीति बनाएं ताकि सभी को सही मायने में उनका लाभ मिल सके।

22 बेहतर सरकारी समन्वय और दक्षता

अगली उम्मीद सरकारी कामकाज की दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने की है।

जिसमें केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय को बेहतर किया जाए, राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल हो, सरकारी विभागों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाए, उनका तेजी से आधुनिकीकरण करके परिचालन दक्षता को बेहतर किया जाए। जिससे अंतिम उपयोगकर्ता को सरकारी विभागों से तेजी से और बेहतर सेवाएं मिल सकें।

23 सार्वजनिक-सरकारी संचार में सुधार

सरकार नागरिकों से बनती है और नागरिकों के दिये संसाधनों के द्वारा नागरिको के लिए ही काम करती है। इसलिए भारत के लक्ष्य को तेजी से पाने के लिए, सरकार और नागरिकों के बीच संचार को और बेहतर बनाकर नागरिकों को देश के लक्ष्य से जोड़ा जाना जरूरी है। सरकारी नीति की जानकारी से लेकर नीति निर्माण में नागरिकों की भागीदारी जैसे सभी क्षेत्रों में संचार को बेहतर बनाना होगा। नागरिकों के सामने ख़ूबियाँ और खामियाँ, दोनों ही पहलुओ को इमानदारी से रखना होगा। सरकार को और बेहतर तरीके ईजाद करने होंगे, जिससे आम नागरिक की दिक्कतें और सुझाव सरकार तक पहुंच सके।

24 भारत के अपने विकास मॉडल का आविष्कार

भारत और भारत के लोग अपने इतिहास, संस्कृति, मूल्यों और अपने विश्व दृष्टिकोण में उन सभी पश्चिमी देशों से अलग हैं जिनके विकास मॉडल हम लागू करने की कोशिश करते हैं। बुनियाद तौर पर हमारी सोसायटी उस तरह से फंक्शन ही नहीं करती जैसे वेस्टर्न सोसायटीज करती है।

इसिलिये पश्चिमी विकास मॉडल भारत में पूरी तरह से कामयाब भी नहीं है, क्योंकि वो हमारी शक्तियों का उपयोग नहीं कर पाते। जहां पश्चिमी समाज का स्वभाव व्यक्तिवादी है हमारा समाज समुदाय उन्मुख है, और हमारी सामुदायिक वृत्ति ही वजह है कि संकट में हम दूसरो से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हममें गजब का दृढ़ संकल्प है, हमारे लोग कड़ी मेहनत करते हैं, हममें सीखने की क्षमता है, अनुकूलनीय और सहयोगात्मक होने के साथ-साथ बहुत सी ताकतें हैं जिनसे भारत की प्रगति संभव है। आज हमारी चुनौतियाँ और महत्वाकांक्षाएँ दोनों ही बड़ी हैं, हमें बस हमारी ताकत का सही इस्तेमाल करना होगा।

हमें उम्मीद है कि भारत की ताकतों को ध्यान में रख कर भारत के अपने विकास मॉडल तैयार किये जायेंगे।

देश के चुनावों में, देश की आवाज़

यूट्यूब पर पूरी वीडियो सीरीज़ देखें

(For English Version) **https://naptymeindia.com/**

Soon we will elect for the next government of India which will define our collective future.

While political parties are spending thousands of crores of rupees to win these elections, what preparation we, the 140-crore people of India, have for these elections?

Have we thought about what we want from these elections?
Why should we participate in these elections?
What else should we look at before making our decision?

For past 70 years, we have either campaigned for political parties or not participated at all due to lack of faith in the political system. Till date, our agenda has been presented either by political parties or by the media, but we have never put them across in our voice.

Let’s break the pattern and let us put forward our perspective in our own voice this time. Just like political parties campaign for their victory, political candidates campaign for their victory, then why don’t we, the citizens of India, also campaign for our victory this time?

This manifesto and related video series are parts of a novel initiative as Indians, with which we will put forward people’s expectations before all the political parties and candidates participating in the 2024 Lok Sabha elections.

Together, let us express our perspective in the country's elections for a better India.

(हिंदी संस्करण के लिए) ➡ **https://naptymeindia.com/**

PEOPLE’S VISION FOR INDIA

Our goal is to build a country that is developed, whose people are prosperous, that can defend itself in all circumstances, plays a larger role in global economy and can play a leading role in making the world a better place.

And to achieve this goal, we must improve in these nine areas. If we can succeed with these nine aspects, India will certainly emerge as an internally happy and developed country as well as a credible global leader.

1. Better life for People

Today, we are a democracy in which policies are centered around people. We will be a develop nation only when the life of a common man is enriched for which we will have to make improvements in areas like education, employment, security, healthcare etc.

2. Strong self-reliant Defence

We must become more strong, independent and self-reliant in our security. We must innovate capabilities to further enable us to keep our people safe, land protected and act anywhere around the world if needed.

3. Economic Growth

For a long time in history, India was the largest economy in the world and our aim should be to regain that position. But this time along with becoming the largest economy, per capita income will have to be improved by reducing income inequality.

4. India's integrity and equitable development

We should strengthen our territorial integrity by resolving territorial disputes with our neighboring countries. And internally, we must equitably promote economic growth across all our states by reducing disparities between our states.

5. Environmental Protection

Today, human activities are rapidly changing the environment. Every year, lakhs of people in the country lose their lives due to pollution related diseases and the health of millions of people is being negatively affected. Nature has a very special place in our culture therefore we must take special care to protect the environment.

6. Space power

Space technology offers a unique advantage today. And in the future, the country with an advanced space technology will lead the world. Therefore, it is important for us to become a space power to hold the power to implement a responsible space policy in the future.

7. Innovation

As of today, we import many small and big technologies into India. We must reverse this trend and aim to have future technologies invented in India and export them to other countries.

8. Strong Global Relationship

We live in an interconnected world where events happening in any corner of the world affect all across the globe. We need to build credible and trustworthy relationships around the world so that we can play a global leadership role.

9. Diversity and multiculturalism

India is an incredibly diverse country and is built upon amalgamation of many cultures. Our rich cultural diversity is no less than a special power for us which will help in enhancing creativity and innovation across the nation. We must protect this innate privilege of ours.

PEOPLE'S CHALLENGES

1 IN 3
PEOPLE ARE
UNDERNUTRITONED

57%
WOMEN
ARE ANEMIC

303,000 mothers and
2.7 million newborn infants
die annually around the time
of childbirth (WHO)

77%
LITERACY RATE

EDUCATIONAL CHALLENGES
ACCESSIBILITY | QUALITY | AFFORDABILITY

Only 50% male and 41% female
have completed 10 or more
years of schooling (NFHS 2019-21)

In a single year (2021)

60 Lack
REGISTERED CRIME

4 Lack +
CRIME AGAINST WOMEN

39K+
MURDER

4.5 Crore +
CASES PENDING IN INDIAN COURTS

3 Lack +
PEOPLE IN JAIL UNDERTRIAL

52%
LABOUR FORCE PARTICIPATION RATE

150K+
DEATHS IN ROAD ACCIDENTS (IN 1 YEAR)

CHALLENGES AROUND

- Legal effectiveness
- Employment
- Workplace Safety
- Housing
- Police effectiveness
- Income Disparity
- Dignity and Safety

WHAT DO PEOPLE NEED?

140 crore people of India want to join hands with the government and participate in India's growth and success. To enable over a billion people into India's success we need an environment where everyone is treated with respect and has equal access to growth opportunities. We need an environment where anyone and everyone can achieve success based on their abilities.

An environment supporting equal opportunities means we must feel safe, secure and empowered by eliminating systemic issues like corruption, discrimination, crimes, unemployment and lack of education.

This manifesto with 24 expectations for the 2024 elections represents people's need to build an ecosystem supporting theirs and nation's goals

(हिंदी संस्करण के लिए) ➡ **https://naptymeindia.com/**

PEOPLE'S 24 EXPECTATIONS FOR 2024

1 "One India" – No division or appeasement

Today, the first expectation of every rational Indian is for an India in which there is neither appeasement nor any kind of division based on religion, caste, colour, language or any other basis. Only by doing this will we be able to protect the unity of the country and our collective growth.

We want that every citizen of India feel safe, and every citizen should have equal opportunities to succeed. Therefore, there is a demand from all the candidates and parties that any kind of division and appeasement should not be promoted in the society at any level.

2 Every candidate must prove his/her eligibility

We have often seen political candidates pointing out the shortcomings of their rivals, but should we elect you on this basis alone? This is not possible for us.

Therefore, India's demand from all parties and candidates is that they should tell themselves their qualifications for this position and why should they be selected? They should share details around their education, experience, criminal background ahead of elections so that people can make informed decision. From a citizen's point of view, every candidate is as important to a constituency as the Prime Minister is to the entire country, so every candidate must prove his/her worth every time he/she contests an election.

3 Do not pity us with freebies - do your job better

Often in elections, pity is shown to different sections of the society, free schemes and "guarantees" are promised to win the elections. But we all show our trust to the government, give money in the form of taxes and provide human resources by working for it, then why pity in return? It is the duty of our public representatives not to divide the society into different sections and find solutions to everyone's problems.
We do not want such low-level short-term benefits, rather we demand long-term and permanent solutions to the problems.

4 Political Funding transparency and corruption free governance

Political funding and corruption have been linked for a long time. If political parties are not transparent about political funding, then how will the common citizen believe that you will work for their benefit and not for those who fund your elections. Our hope is to make political funding transparent and eliminate political corruption. Along with this, politics and crime should also be separated. From election campaigns to forming the government, any involvement of criminal elements in the politics is an insult to the trust attributed by citizens in it.

For a better governance, nation demands for politics to be free from crime and corruption.

5 Expectations related to political conduct

We have often seen during election campaigns that roads are blocked, traffic rules are violated, and citizens are harassed. It seems that rules and laws only apply to the common people and not to the politicians.

If our politicians themselves do not care about the rules and regulations of the country, then how are they supposed to make better laws for us? We hope that the parties will now adopt their campaigns keeping in mind the sensitivities of the people and the law of the country.

PEOPLE'S 24 EXPECTATIONS FOR 2024

6 People's safety and dignity

It is common to see an ordinary looking citizen being humiliated across the country as if dignity is a right of select few. We must separate ourselves from this disease of insulting others and reinstill the dignity of every person living in India. No person in the society should be discriminated against on the basis of caste, religion, appearance, state, language, gender, work or occupation.

Apart from this, we must find solutions to curb millions of criminal incidents taking place in the country every year. We want India's children, elderly, women and everybody else to feel safe inside and outside their homes. Our expectation is of an efficient police and justice system to make every citizen feel safe.

7 Solution to India's malnutrition challenge

Today, India is facing a two-pronged attack of malnutrition. On one hand a large number of people do not get adequate nutrition and on the other hand obesity across the country is spreading rapidly. Due to poor nutrition, a large segment of population is trapped in poverty, which is negatively impacting country's workforce and economy equally.
We understand that there are government schemes and programs targeting undernutrition, but our demand is to make the policies more effective and implemented in a better way so that country's nutrition related challenges can be resolved rapidly.

8 Need for affordable and effective healthcare system

On one hand, number of accidents, nutritional deficiencies and lifestyle diseases is increasing rapidly in India, while on the other hand, there is a lack of adequate health infrastructure and medical experts in the entire country. We could have saved a large number of human lives if they had timely access to proper treatment.
People of India expects to have a reliable and affordable health infrastructure across the country capable of providing both curative and preventive healthcare services.

9 Road Safety

According to government figures, every year more than 150,000 people lose their lives in road accidents, the largest part of which consists of youth between age15 to 29 years. In most cases, neither ambulance reaches on time, nor is treatment provided on time, nor is action taken against the people responsible for the accidents.
To save numerous lives every year, people of India demands better road safety, awareness among people, safe roads, reliable ambulance service, and better hospitals from the government.

10 Protect the environment

Today, India leads the world in the number of deaths due to air pollution. On the other hand, filth is also a big challenge in the entire country. Pollution and filth are leaving a negative impact on millions of lives, which can gradually take the form of a major health crisis.

India needs proactive steps, strict rules and mass education to save the environment.

PEOPLE'S 24 EXPECTATIONS FOR 2024

11 Quality education and innovation

There are many educational challenges in our country related to access, quality and affordability of education. Our demand is to reduce barriers to quality education so that all sections of the society can be equally benefitted.

12 Employment

It is only through employment that the people of India can get a better life. But getting access to employment for all is a big challenge for the country.

The country needs improvement in areas like new job creation, job information and recruitment coordination. Citizens of the country expect that country's employment-related challenges should be seriously understood and solved.

13 Safe and harassment free workplace

Be it male or female, challenges like long working hours, lack of work life balance, low pay, harassment are common in Indian workplaces due to which the cases of mental health issues are rapidly increasing in the country. According to a survey, 47% of professionals cited stress at the workplace as the biggest reason for mental health issues.

India's labor force participation rate is only 52%, and women's labor force participation rate is only 32%. If we want to grow our workforce, we must emphasize upong creating a safe workplace for both men and women. It is both the duty and demand of a citizen to create a better workplace environment for everybody working in organized as well as unorganized sector.

14 Planned infrastructure development

We must create infrastructure for growth. We have to rapidly build infrastructure in every state, every district of the country. We have to rapidly build roads, public transport, schools, hospitals, commercial areas so that people across India can have access to better education, health and opportunities to succeed. Having access to infrastructure will enable people to actively participate in country's economic development.

Our expectation is to carry out development activities with better rural and urban planning so that their benefits reach everyone in an organized and equitable manner.

15 Upliftment of rural economy

For the most part, rural India has been neglected in the economic growth of India, which is why a large number of people are compelled to leave their homes, their villages and migrate to cities in search of employment opportunities. But, just migrating bring no ends to their suffering as they are faced with numerous challenges once they move over to cities. Be it employment, food, housing or education for their children, they are faced with numerous hurdles that comes along migration. Today, we need policies that can work to uplift rural economy so that people can be saved from migration related challenges and can be given with growth opportunities at their native places. This will not only solve unemployment challenge but also solve challenges related to nutrition and poverty of the country.

PEOPLE'S 24 EXPECTATIONS FOR 2024

16 Reduce income disparity

India's top 1% people own 33% of the country's wealth, top 10% people own 65% of the country's wealth, but on the other hand, bottom 50% (over 70 crore people) of the country's population own only 6% of the country's wealth. This shows how high the income inequality is in our country.

Our farmers, low-wage workers and all those who want to join the workforce must be provided with all the facilities they need to increase their incomes and reduce income inequality.

17 Eradicate misinformation and disinformation

Misinformation means spreading out false or incorrect information. Such efforts often creates division in society, instigate people's emotions or mislead them. There are many incidents where innocent people have lost their lives due to misinformation.

People of India demands to take serious action against misinformation before it starts destroying the society.

18 Fraud prevention and consumer protection

Today, there would hardly be any person in India who has not been tried to commit fraud with. Cases of mobile and cyber crime are on a steep rise. What is even more painful is that in most cases you cannot do anything if a fraud occurs to you. A similar situation exists in cases related to consumer fraud too. Therefore, prevention of fraud and consumer protection is also one of the expectations of citizens.

19 Respect the boundary between a party and government

A government and a political party are not same, there is a difference between them.

A political party may have its own ideology, it may have its own cause, but its' ultimate goal is to win the election and form the government and on the other hand the goal of the government is to run the country.

Problem arises when a political party starts misusing government machinery in the party's interest, when national policies are shaped in party's interest, when a party starts interfering between Centre-state relations or inter-state relations, when a party starts obstructing development efforts for its own benefit. The problem arises when a party completely dominates the government and starts using the government system to protect itself, which is when government institutions lose their independence and credibility.

A respectful boundary must be set so that government resources cannot be misused, and the governance remains strong.

20 Performance oriented politics

India is a young country today but will not stay young forever, therefore next 20 years are crucial for India. Only high-level talks on issues like development, education and employment will not suffice. Today we need KPI based (result based) politics. In which all the political parties and candidates themselves should communicate what they want to achieve, how much they want to achieve, how will they achieve it and what should be the correct evaluation of their work.

We all hope that the country's politics will evolve to be result oriented and make the best out of our demographic dividend.

PEOPLE’S 24 EXPECTATIONS FOR 2024

21 Effective Policy making and implementation

The government’s job is to create right ecosystem for the safety and development of people. And government policies are the medium which holds the power to change millions of lives. But it is generally seen that even though we have policies and plans, the plans do not have the promised impact on the end user, i.e. the person for whom the policy is made. Our policy makers are expected to bridge the gap between themselves and policy users and formulate policies with policy users at the center so that everyone can truly benefit from them.

22 Better government coordination and efficiency

The next expectation is to improve the efficiency and effectiveness of government functioning wherein coordination between the central and state governments as well as inter-state governments should be improved. Government departments should be interconnected and modernized for a better operational efficiency so that end users can get faster and better services.

23 Improved public-govt Communication

The government is elected by citizens and works for the citizens with the resources provided by the citizens. Therefore, to achieve India's goals, we must improve the communication between government and citizens to connect them with country's goals. Communication must be improved in all areas, from disseminating policy information to citizen’s participation in policy making. It is time when government should display transparency before the citizens. The government must evolve better ways to connect with citizens so that people can share their problems and suggestions.

24 Invent India’s own growth models

India differ in its history, culture, value and world view from all the Western countries whose development models we try to implement. Fundamentally, our society does not function the way Western societies do. Which is why western development models may not be fully successful in India, as they are not able to utilize our strengths. While Western society is individualistic in nature, our society is community oriented. It is our community instinct which helps us sail through any adversity. We have tremendous determination, our people work hard, we have great learning abilities, we are adaptable and collaborative which can fuel India’s growth. We expect that India's own development models are invented and leveraged to tap into India’s strengths.

देश के चुनावों में, देश की आवाज़

Watch the full video series on YouTube

(हिंदी संस्करण के लिए) https://naptymeindia.com/